ऋग्वेद

॥ ओ३म् ॥

यजुर्वेद

वेदोऽखिलो धर्म मूलम्
(वेद सम्पूर्ण धर्म का मूल स्त्रोत है)

आर्य समाज हनुमान रोड
नई दिल्ली–110001

वेद प्रचार समारोह

श्रावण पूर्णिमा रक्षाबन्धन 21 अगस्त, 2013

से

श्री कृष्ण जन्माष्टमी 28 अगस्त, 2013

पूज्य आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी

द्वारा

वेद प्रवचन

स्थान : आर्यसमाज मन्दिर, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

आपसे सानुरोध प्रार्थना है कि कार्यक्रम में सपरिवार एवं इष्टमित्रों सहित सम्मिलित होकर ज्ञानार्जन कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

निवेदक

डॉ.अमर जीवन	दयानन्द यादव	अरूण प्रकाश वर्मा
प्रधान	कोषाध्यक्ष	मन्त्री

आर्यसमाज, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

: 23361280

सामवेद

अथर्ववेद

ऋग्वेद

यजुर्वेद

कार्यक्रम

श्रावणी उपाकर्म एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

21 अगस्त, 2013 से 28 अगस्त, 2013 तक

श्रावणी पर्व

ऋग्वेद पारायण यज्ञ, सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार, संगीत एवं प्रवचन

बुधवार 21 अगस्त, प्रातः 7.30 बजे से 9.15 बजे तक

ऋग्वेद पारायण यज्ञ, भजन एवं प्रवचन

23 अगस्त से 28 अगस्त, 2013 प्रतिदिन प्रातः 7.30 से 9.15 तक

ब्रह्मा : पूज्य आचार्य वीरेन्द्र विक्रम

ऋत्विक् : डॉ. कर्णदेव शास्त्री

भक्ति संगीत

आर्य भजनोपदेशिका आचार्या अमृता शास्त्री

शुक्रवार 23 अगस्त से मंगलवार 27 अगस्त 2013
(सायं 7.00 बजे से 8.00 बजे तक)

वैदिक प्रवचन

अध्यक्षता : आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी

शुक्रवार 23 अगस्त से मंगलवार 27 अगस्त 2013
(सायं 8.00 बजे से 9.00 बजे तक)

सामवेद

अथर्ववेद

धर्म

सत्याग्रह बलिदान दिवस

अर्थ

रविवार 25 अगस्त, 2013 प्रातः 10.00 से 11.00 बजे तक

पूर्णाहुति पारायण यज्ञ

बुद्धवार 28 अगस्त, 2013 प्रातः 8.00 से 10.00 बजे तक

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

के उपलक्ष्य में

भाषण प्रतियोगिता

बुद्धवार 28 अगस्त, 2013 प्रातः 10.30 बजे

-: विषय :-

"आदर्श एवं अनुकरणीय योगिराज श्रीकृष्ण"

अध्यक्षता : आचार्य वीरेन्द्र विक्रम जी

भाषण प्रतियोगिता के अवसर पर दिल्ली/नई दिल्ली के सीनियर सेकेण्डरी स्कूलों के छात्र/छात्राओं एवं गुरूकुलों के ब्रह्मचारी व ब्रह्मचारिणियां भाग लेंगे। अतः आपसे निवेदन है कि भाषण प्रतियोगिता के समय उपस्थित रहकर प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन करने की कृपा करें।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रूपये 1100/-, द्वितीय पुरस्कार रूपये 750/- एवं तृतीय पुरस्कार रूपये 550/- तथा वैदिक साहित्य। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य प्रतियोगियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

नोट : भाषण प्रतियोगिता के पश्चात् जल-पान अवश्य ग्रहण करें।

काम

मोक्ष

धर्म

अर्थ

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि ।।

तेरा कर्म में ही अधिकार है उसके फल में कभी नहीं।
कर्मफल का हेतु मत बन, अकर्म में तेरी प्रीति नहीं होनी चाहिए।

'' श्री कृष्ण जी का इतिहास महाभारत में अत्युत्तम है उनका गुण-कर्म-स्वभाव और चरित्र आप्त पुरूषों के सदृश हैं। श्री कृष्ण जी ने जन्म से मृत्युपर्यंत कोई भी अधर्म का आचरण नहीं किया।।'

-महर्षि दयानन्द सरस्वती

निवेदक

1.	श्री वेदव्रत शर्मा	संरक्षरक	10.	श्री अजय चतुर्वेदी	पुस्तकाध्यक्ष
2.	श्री सुशील महाजन	संरक्षक	11.	श्री कार्तिकेय हुड्डा	अधि.आर्य वीर दल
3.	डॉ. अमर जीवन	प्रधान	12.	श्री राजेन्द्र शर्मा	आ.ले.नि.
4.	कर्नल रवीन्द्र कुमार वर्मा	उप प्रधान	13.	श्री चन्द्रवीर सिंह चौहान	सदस्य
5.	श्री वीरेश बुग्गा	उपप्रधान	14.	श्री नरेन्द्र सिंह हुड्डा	सदस्य
6.	श्री अशोक सहदेव	उपप्रधान	15.	श्री संजय कुमार	सदस्य
7.	श्री अरूण प्रकाश वर्मा	मन्त्री	16.	श्रीमती सत्यभामा खन्ना	सदस्य
8.	श्री विजय दीक्षित	उपमन्त्री	17.	श्री आर. पी. सिंह	सदस्य
9.	श्री दयानन्द यादव	कोषाध्यक्ष	18.	श्री राजीव भाटिया	वि.आ. सदस्य

काम

मोक्ष